देश के गृहमंत्री भी गुप्ता द्वारा गुजरात में स्वच्छता में किए गए कार्यों की करते हैं प्रशंसा

- यशस्वी प्रधानमंत्री मोदी जी के विजन के साथ कार्य करके डूंगरपुर ने स्वच्छता में अपनी पहचान बनाई है : के के गुप्ता
- आचार्य महाप्रज्ञ नेत्र चिकित्सालय के भवन विस्तारीकरण का लोकार्पण समारोह

डूंगरपुर। जागरण जन सेवा मंडल वागदरी द्वारा संचालित आचार्य महाप्रज्ञ नेत्र चिकित्सालय में तत्कालीन लोकसभा सांसद की विकास निधि से निर्मित भवन के विस्तारीकरण का लोकार्पण समारोह रविवार को आयोजित किया गया।

समारोह में मुख्य अतिथि सिक्किम राज्य के माननीय राज्यपाल श्री ओम माथुर रहे। मंच पर सम्मानित अतिथियों में राज्यसभा सांसद श्री चुन्नीलाल गरासिया, उदयपुर लोकसभा सांसद श्री डॉ मन्नालाल रावत, पूर्व सांसद लोक सभा श्री कनक मल कटारा, पूर्व विधायक श्री धर्म नारायण जोशी, स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण के प्रदेश समन्वयक और नगर परिषद डूंगरपुर के पूर्व सभापति श्री के के गुप्ता, सागवाड़ा विधायक श्री शंकर लाल डेचा आदि सम्मिलित रहे।

समारोह के प्रारंभ में जागरण जन सेवा मंडल के संयोजक पद्मश्री अलंकृत श्री मूलचंद लोढ़ा ने समस्त अतिथियों का स्वागत सत्कार किया।

राज्यपाल ओमप्रकाश माथुर ने वागदरी में आचार्य महाप्रज्ञ आई हॉस्पिटल में सांसद कोष से बने 28 लाख रुपए के भवन का लोकार्पण किया। राज्यपाल ने आचार्य महाप्रज्ञ आई हॉस्पिटल के साथ ही बच्चों की शिक्षा और संस्कारों को लेकर किए जा रहे कार्यों की सराहना की।

सिक्किम के राज्यपाल महोदय ओमप्रकाश माथुर ने डूंगरपुर की स्वच्छता की तारीफ की। उन्होंने कहा कि स्वच्छता के समन्वयक और डूंगरपुर के पूर्व सभापति केके गुप्ता ने गुजरात में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के गांव को साफ कर दिखाया है। वे जब भी दिल्ली में गृहमंत्री से मिलते हैं, तो वे भी गुप्ता के बारे में जरूर पूछते हैं। स्वच्छता में उनके कामों को गृहमंत्री भी तारीफ करते हैं।

इस अवसर पर राज्यपाल माथुर द्वारा 20 लाख रुपए, राज्यसभा सांसद श्री चुन्नीलाल गरासिया द्वारा 20 लाख रुपए और उदयपुर लोकसभा सांसद श्री डॉ रावत द्वारा 15 लाख रुपए चिकित्सालय के विकास कार्यों के लिए जारी करने की घोषणा की गई। वही राज्यपाल महोदय द्वारा 11 लाख रुपए का चेक मौके पर ही प्रदान किया गया। सिक्किम के राज्यपाल महोदय श्री ओमप्रकाश माथुर ने कहा साल 2014 के पहले पद्म पुरस्कार परिवार में और बड़े-बड़े लोगों को बांटे जाते थे। इसके बाद देश में पद्म पुरस्कार धरातल पर सेवा करने वालों को दिया जा रहा है। इसने कोई भेदभाव नहीं किया जा रहा है। मुस्लिम को भी अवॉर्ड मिल रहा है। राज्यपाल ओमप्रकाश माथुर ने पद्मश्री अवॉर्ड प्राप्त मूलचंद लोढ़ा के सेवा कार्यों की तारीफ करते हुए कहा कि ये वागड़ का हीरा है, जिन्हें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सम्मानित किया। उनके सेवा कार्यों के चर्चे देशभर में है। वागड़ को गर्व करना चाहिए कि मूलचंद लोढ़ा वागड़ का हीरा है, जिन्हें पद्मश्री मिला।

समारोह को संबोधित करते हुए श्री गुप्ता ने कहा कि आदरणीय ओम जी माथुर भाई साहब भारतीय जनता पार्टी के प्रमुख नेताओं में माने जाते है। देश के यशस्वी प्रधानमंत्री मोदी जी ने ओम जी भाई साहब को मध्य प्रदेश उत्तराखंड राजस्थान आदि राज्यों में प्रभारी का दायित्व सौंपा तब वहां बीजेपी ने विधानसभा और स्थानीय चुनावो में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। प्रधानमंत्री मोदी जी ने आप श्रीमान पर विश्वास कायम रखते हुए देश के सबसे पूर्वोत्तर राज्य और पर्यटक तथा अंतर्राष्ट्रीय सीमा के अनुसार भी महत्वपूर्ण राज्य सिक्किम का राज्यपाल मनोनीत किया। गुप्ता ने कहा कि ओम जी भाई साहब के सानिध्य में मुझे भी वर्ष 2008 में कार्य करने का अवसर मिला जब आपको राजस्थान प्रदेश भाजपा का अध्यक्ष नियुक्त किया गया। आपके कार्यकाल में बीजेपी ने राजस्थान में पूर्ण बहुमत के साथ अपनी सरकार बनाई।

गुप्ता ने कहा कि ओमजी भाई साहब ओजस्वी, यशस्वी एवं तेजस्वी होने के साथ-साथ तप, त्याग एवं तपस्या की भूमिका में अठाणी रहते है। जिस तरह 100 करोड लोगों की आस्था राम मंदिर एवं महाकुंभ में रही है, इस तरह राजस्थान के 7 करोड लोगों की आस्था एवं विश्वास ओम जी माथुर भाई साहब में है। आप मोदी जी के बहुत नजदीक हैं एवं उच्च निर्णयों में माथुर साहब की अहम भूमिका रहती है। गुप्ता ने कहा कि यशस्वी प्रधानमंत्री मोदी जी द्वारा वर्ष 2014 में स्वच्छ भारत का एक सपना देखा गया था और इसी विजन को पूरा करने के उद्देश्य के साथ मेरे कार्यकाल के दौरान नगर परिषद डूंगरपुर द्वारा स्वच्छता सहित पर्यावरण, जल संरक्षण और जल संचय के क्षेत्र में क्रांतिकारी नवाचार अपनाते हुए ऐसे ऐतिहासिक कार्य करके नए रिकॉर्ड स्थापित किए गए जो आज भी देश के कई निकायों के लिए अनुकरणीय है। अध्यक्षीय उदबोधन में पूर्व सांसद कनकमल कटारा ने जागरण जनसेवा मण्डल के संस्थापक मूलचंद लोढ़ा को सेवा मनीषी निरूपित करते हुए कहा कि उनके प्रयासों से जागरण जनसेवा मण्डल द्वारा सेवा क्षेत्र में चरित्रवान नागरिकों का निर्माण हो रहा है। राज्यसभा सदस्य चुन्नीलाल गरासिया ने कहा कि मूलचंद लोढ़ा ने अपना पूरा जीवन इस वनवासी क्षेत्र की सेवा में समर्पित कर दिया। आप सही मायनों में संत है। आपके इन्हीं सेवा कार्यों का परिणाम है कि भारत सरकार ने पद्मश्री से सम्मानित कर आपके सेवा प्रकल्पों का सम्मान किया है। उदयपुर सांसद मन्नालाल रावत ने कहा कि सेवा के संस्कार वागदरी के इस सेवाधाम में प्रवाहित होते है। वनवासी अंचल में सेवा प्रकल्पों को गतिमान रखने हेतु समाज के प्रबुद्धजनों को आगे आना चाहिए। गुरु राजेश्वरानंद ने अपने आशीर्वचन में जागरण जन सेवा मंडल द्वारा संचालित किया जा रहे विभिन्न सेवा प्रकल्पों के बारे में विस्तार से जानकारी दी और बताया कि किस प्रकार मूलचंद लोढ़ा जैसे अकेले व्यक्ति ने इस वनवासी अंचल में पीड़ित मानवता की सेवा का संकल्प लिया और तमाम अभावों के बावजूद निष्काम कर्म करते हुए समाज के प्रबुद्ध वर्ग के सहयोग से आज सेवा रूपी वटवृक्ष खड़ा कर दिया है।

समारोह के पश्चात सिक्किम राज्य के ओम माथुर और राज्यसभा सांसद श्री चुन्नीलाल गरासिया सहित अनेक वरिष्ठ भाजपा नेताओं का श्री गुप्ता के आजाद नगर स्थित निवास पर भव्य स्वागत किया गया। स्वागत कार्यक्रम में व्यापारिक संगठन चेंबर ऑफ कॉमर्स सहित अन्य स्वयंसेवी संगठनों के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

इस अवसर पर श्री गुप्ता व सम्मानित अतिथियों तथा वरिष्ठ भाजपा नेताओं के बीच स्वच्छ भारत मिशन के विजन के साथ आगामी पंचायती राज और नगर निकाय चुनाव विजय की रणनीति पर चर्चा की गई।

लेकसिटी के कला आंगन में भरे विविध रंग

उदयपुर,। अंचल में कला-संस्कृति के संरक्षण-संवर्धन को समर्पित कश्ती फाउंडेशन और ललित कला अकादमी नई दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में शनिवार से प्रारंभ हुए तीन दिवसीय कला आंगन के दूसरे दिन रविवार को सरकारी विद्यालय के विद्यार्थियों को कला के विविध रंगों से रूबरू करवाया।

कश्ती फाउंडेशन प्रमुख श्रद्धा मुर्डिया ने बताया कि राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय वरडा में आयोजित हो रहे कला आंगन में प्रात:कालीन सत्र स्केचिंग के नाम रहा। स्केच आर्टिस्ट और वास्तुकार सुनील लड्ढा के नेतृत्व में अर्बन स्केचर्स और विद्यार्थियों ने मिलकर भांति-भांति के स्केच तैयार किए। इस सत्र में 35 से अधिक विद्यार्थियों के साथ कलाकारों ने पेंसिल और रंगों से चित्र कृतियों का सृजन किया। संचालन कहानीकार रजत मेघनानी ने किया। मुर्डिया ने बताया कि मिराज ग्रुप, राउंड टेबल, मंगलम आर्ट्स, कपूर ट्रेडर्स, श्रीजी प्रॉपर्टी और उदयपुर कलर्स के सोजन्य से आयोजित तीन दिवसीय कला आंगन का समापन सोमवार शाम को प्रदर्शनी आयोजन के साथ किया जाएगा। कला आंगन संयोजक हेमंत जोशी ने बताया कि कला चर्चा सत्र में राजस्थान विद्यापीठ के सेवानिवृत्त प्राध्यापक व चित्रकार श्रीनिवासन अय्यर से सुनील लड्ढा ने बातचीत की। इस दौरान अय्यर ने जातक कहानियों, पंचतंत्र इत्यादि से लेकर प्रकृति के विविध तत्वों से मिलने वाले संदेशों को उजागर किया और कला के विविध आयामों का परिचय दिया। उन्होंने कलाकार के मन में बादल की आकृति से लेकर उठने वाली भांति-भांति की कल्पनाओं और इसे मूर्त रूप देने पर होने वाली सर्जना के बारे में बताते हुए कला के आमजन को मिलने वाले लाभों के बारे में बताया। इसी प्रकार राहुल माली से पिंडवाडा (सिरोही) के कलाकार महेश कुमावत ने देशभर के चुनिंदा 12 कलाकारों में से प्रयागराज केंप के लिए उनके चयन और अपनी कलायात्रा पर जानकारी दी वहीं राउंड टेबल के मोहित अग्रवाल, मोहित सिंघवी और मनन ने बच्चों को प्रोत्साहित किया। अहमदाबाद की आर्टिस्ट फेनिल पटेल ने कला के क्षेत्र में महिलाओं की भूमिका पर विचार व्यक्त किए।

कला आंगन के द्वितीय सत्र में तैराकी फिल्म से चर्चा में आए उभरते बॉलीवुड फिल्म निर्देशक कुणाल मेहता ने विद्यार्थियों के समक्ष अपनी कहानी बया की तो विद्यार्थी एकटक सुनते ही रहे। सरकारी विद्यालय मे पढे मेहता ने थियेटर के बाद शॉर्ट फिल्मों में बतौर एक्टर काम करते हुए फिल्म की पटकथा लेखन के साथ जब फीचर फिल्म निर्माण के क्षेत्र में करियर बनाने के वाकये को सुनाया तो मौजूद अतिथियों और कलाकारों ने करतल ध्वनि से उनके जज्बे की सराहना की।

उदयपुर लेकसिटी वारियर व दिल्ली चौलेंजर्स ने मुकाबले जीते

उदयपुर। लेकसिटी के फील्ड क्लब मैदान पर रविवार से पिम्स मेवाड़ कप का तीसरा सीजन शुरू हुआ। पहले दिन दो मुकाबले खेले गए। अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेटर एवं दिल्ली रणजी टीम के कप्तान आयुष बडोनी की बल्लेबाजी देखने के लिए खेलप्रेमी व शहरवासी बड़ी संख्या में पहुंचे। मेवाड़ कप में इस बार भी अंतर्राष्ट्रीय, राष्ट्रीय और आइपीएल खिलाड़ी मैदान में चौके-छक्के मारते हुए दिखेंगे। पिछले साल पिम्स मेवाड़ कप के सफल आयोजन के बाद इस बार तीसरा एडिशन पिम्स हॉस्पिटल उमरड़ा और मिराज पाइप एंड फिटिंग के तत्वावधान में आयोजित हो रहा है।

आयोजक नमन अठावाल व कुलदीप आमेरिया ने बताया कि फील्ड क्लब में आयोजित टी-20 प्रतियोगिता के पहले मुकाबले में उदयपुर लेकसिटी वारियर ने पहले खेलते हुए उपेंद्र यादव के 42 और मयंक रावत की 31 रन की बदौलत निर्धारित ओवर में छह विकेट खोकर 195 रन बनाए। अभिमन्यु लांबा ने 4 व राहुल ने दो विकेट लिए। जवाब में उदयपुर क्रिकेट एकेडमी सभी विकेट खोकर 175 रन ही बना सकी। आयुष बडोनी ने 32 रन बनाए, लेकिन वे अपनी टीम को जीत नहीं दिला सके। मौनी ठोवाल ने तीन विकेट लिए।

आयोजक चन्द्रपालसिंह चूंडावत व हर्षित धाभाई ने बताया कि दूसरे मुकाबले में मेवाड़ टूरिज्म क्लब ने तजेंदर ढिल्लो के 42 रन की मदद से 114 रन बनाए। जवाब में दिल्ली चैलेंजर्स ने उवेश अहमद के 36 व करण शर्मा के 30 रन की बदौलत 11 ओवर में ही चार विकेट खोकर जीत हासिल कर ली।

इससे पहले उदघाटन समारोह में प्रदेश के सहकारिता मंत्री गौतम दक व भाजपा शहर जिला अध्यक्ष गजपालसिंह राठौड़ ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त किया और प्रतियोगिता का विधिवत आगाज किया। प्रतियोगिता में लिबर्टी, पिम्स, एमपीसी, दिल्ली चौलेंजर्स, उदयपुर लेकसिटी वारियर्स, उदयपुर क्रिकेट एकेडमी, आदित्यम रियल स्टेट एवं जीआर क्रिकेट एकेडमी की टीमें भाग ले रही है।

प्रतियोगिता में अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेटर दीपक हुड्डा, राहुल चाहर, नवदीप सैनी, रवि बिश्नोई, रजत पाटीदार, यश धूल, सुयश प्रभु देसाई, आयुष बदोनी, जितेश शर्मा, आशुतोष शर्मा भी गेंद व बल्ले से अपना हुनर दिखाते नजर आएंगे। प्रतिदिन लक्की ड्रा निकाला जाएगा। वहीं अंतिम दिन लक्की ड्रा में चयनित व्यक्ति को इलेक्ट्रोनिक स्कूटी दी जाएगी। विजेता टीम को पांच लाख व उप विजेता को तीन लाख की राशि प्रदान की जाएगी। शुरूआती छह मैच फील्ड क्लब मैदान पर और सेमीफाइनल और फाइनल मैच मिराज क्रिकेट स्टेडियम नाथद्वारा में खेले जाएंगे।

करियर गाइडेंस सेमिनार का आयोजन

उदयपुर,। महाराणा प्रताप टेक्नोलॉजी यूनिवर्सिटी से संबद्ध कॉलेज ऑफ टेक्नोलॉजी एंड इंजीनियरिंग में विद्यार्थियों के लिए वे फॉरवर्ड टू ए रॉबस्ट करियर करियर गाइडेंस सेमिनार का आयोजन हुआ।

सहायक अधिष्ठाता छात्र कल्याण डा. विक्रमादित्य दवे ने अतिथि का स्वागत करते हुए करियर गाइडेंस की महत्ता पर प्रकाश बताया डाला। सेमिनार में जाने-माने करियर काउंसलर, विदेश शिक्षा एक्सपर्ट और जे.एस. ग्लोबल उदयपुर जितेंद्र सिंह ने विद्यार्थियों के साथ सफल व मजबूत करियर के लिए उपयोगी जानकारियां और रोडमेप साझा किया। उन्होंने विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए बताया कि आज टेक्नोलॉजी बडे पैमाने पर देश और दुनिया की अर्थव्यवस्था को दिशा दे रही है। उन्होंने विद्यार्थियों को सलाह दी कि वे कॉलेज शिक्षा के दौरान पाठ्यक्रम के साथ-साथ अत्यंत जरूरी सोफ्ट स्किल भी डेवलप करें तो बेरोजगारी का सामना नहीं करना पडेगा।

सिक्किम के राज्यपाल रहे डूंगरपुर के प्रवास पर

उदयपुर,। सिक्किम के राज्यपाल ओमप्रकाश माथुर ने कहा है कि समाज की निस्वार्थ और समर्पित भाव से की गई सेवा का कोई मोल नहीं है। सेवा क्षेत्र में कई प्रकार के कष्ट और बाधाएं आती हैं लेकिन जो तमाम कष्टों और बाधाओं के बावजूद अपने दृढ संकल्प व इच्छाशक्ति से समाज की सेवा करता है वही सेवा के नए प्रतिमान स्थापित करता है।

राज्यपाल माथुर ने यह विचार रविवार को डूंगरपुर जिले के वागदरी गांव में जागरण जनसेवा मण्डल द्वारा संचालित आचार्य महाप्रज्ञ नेत्र चिकित्सालय के भवन विस्तारीकरण कार्य के लोकार्पण समारोह को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित करते हुए व्यक्त किए। बांसवाडा डूंगरपुर के तत्कालीन लोकसभा सांसद कनकमल कटारा द्वारा सांसद मद से प्रदत्त 28 लाख रुपए की लागत से बने चिकित्सालय के विस्तारित भवन के लोकार्पण समारोह की अध्यक्षता पूर्व सांसद कनकमल कटारा ने की। विशिष्ट अतिथि के रूप में राज्यसभा सांसद चुन्नीलाल गरासिया, उदयपुर लोकसभा सांसद मन्नालाल रावत,जागरण जनसेवा मंडल के संस्थापक पद्मश्री मूलचंद लोढा,सागवाडा विधायक शंकरलाल डेचा, गुरु राजेश्वरानंदए मावली के पूर्व विधायक धर्म नारायण जोशी पूर्व सभापति के के गुप्ता एवं जागरण के अध्यक्ष डॉ दलजीत यादव मंचासीन रहे।

समारोह में उपस्थित अंचल के प्रबुद्धजनों को संबोधित करते हुए राज्यपाल माथुर ने कहा कि सेवा का सम्मान हमारा सामाजिक और नैतिक दायित्व है। वर्ष 2014 से पहले पद्म सम्मान अपने परिवारों या बडे बडे लोगों में बंटते थे लेकिन विगत दस वर्षों से यह सम्मान दूरदराज के क्षेत्रों में बिना किसी लालसा के समाज की सेवा में जुटे निष्काम कर्मयोगियों को प्रदान किए जा रहे है। डूंगरपुर के मूलचंद लोढा को भारत सरकार द्वारा पद्मश्री सम्मान प्रदान करना इस बात का प्रत्यक्ष प्रमाण है। यही सही मायनों में सेवा का सम्मान है।

उन्होंने कहा कि आज समाज में हो रही टूटन को रोकने के लिए समाज को एकसूत्र में बांधने की आवश्यकता है और निष्काम सेवा प्रकल्पों के माध्यम से यह संभव है। सिक्किम का उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि भारत में विलय के साथ ही सिक्किम के लोगों ने सिक्किम को ऑर्गेनिक प्रदेश बनाने का संकल्प लिया और सभी ने अपने समर्पित प्रयासों से सिक्किम को ऑर्गेनिक खेती वाला अनूठा प्रदेश बना दिया हैए जो संकल्प शक्ति की उत्कृष्ट मिसाल है। डूंगरपुर पहाडी क्षेत्र हैए यहां भी ऑर्गेनिक खेती की विपुल संभावना हैए सिक्किम पैटर्न से इस क्षेत्र को भी लाभान्वित किया जा सकता है।अध्यक्षीय उदबोधन में पूर्व सांसद कनकमल कटारा ने जागरण जनसेवा मण्डल के संस्थापक मूलचंद लोढा को सेवा मनीषी निरूपित करते हुए कहा कि उनके प्रयासों से जागरण जनसेवा मण्डल द्वारा सेवा क्षेत्र में चरित्रवान नागरिकों का निर्माण हो रहा है। राज्यसभा सदस्य चुन्नीलाल गरासिया ने कहा कि मूलचंद लोढा ने अपना पूरा जीवन इस वनवासी क्षेत्र की सेवा में समर्पित कर दिया। आप सही मायनों में संत है।

जनजाति मंत्री खराडी का पुत्र सड़क हादसे में घायल

उदयपुर,। प्रदेश के जनजाति मंत्री बाबूलाल खराडी का पुत्र रविवार को सडक हादसे में घायल हो गया जिसे कोटडा में प्राथमिक उपचार के बाद उदयपुर रेफर किया एम.बी.हॉस्पिटल में उसका उपचार जारी है।

उदयपुर के कोटडा मार्ग पर रविवार सुबह 9.30ंबजे प्रदेश के जनजाति मंत्री बाबूलाल खराडी के छोटे बेटे प्रद्युम्न खराडी (23) की एसयूवी कार श्वान को बचाने के चक्कर में 50 फीट गहरे गड्ढे में गिर गई। ग्रामीणों ने धमाके की आवाज सुनी तो घटनास्थल की ओर दौडे। स्कॉर्पियो में प्रद्युम्न बेहोश थे। ग्रामीणों ने उन्हें कांच तोडकर बाहर निकाला। मंत्री खराडी के भाई सुरेंद्र सिंह ने बताया प्रद्युम्न हमारे गांव निचला फलां से कोटडा बाजार के लिए काम से निकले थे। इस दौरान डेढ किमी आगे कोटडा मार्ग पर एक श्वान कार के सामने आ गया। उसे बचाने की कोशिश में प्रद्युम्न ने कार के ब्रेक लगाए। वह बेकाबू हो गई और खाई में जा गिरी। सुरेंद्र सिंह ने बताया। ग्रामीणों ने प्रद्युम्न को तुरंत कोटडा हॉस्पिटल पहुंचाया। यहां इलाज के बाद उन्हें उदयपुर एमबी हॉस्पिटल रेफर कर दिया।

स्थापना दिवस समारोह 22 को

उदयपुर,। भारतीय लोक कला मण्डल का 74 वाँ स्थापना दिवस 22 फरवरीसे प्रारम्भ होगा जिसमें देश के विभिन्न राज्यों के लोक कलाकार एवं रंगकर्मी अपनी कला का प्रदर्शन करेंगे। समारोह में तीन दिवसीय लोकानुरंजन मेला एवं 21 वें पद्मश्री देवीलाल सामर स्मृति राष्ट्रीय नाट्य समारोह का आयोजन किया जा रहा है। निदेशक डॉ लईक हुसैन ने बताया।

राजस्थान में कृषि की समृद्ध परंपरा : प्रो. कर्नाटक

- कृषि विज्ञान मेले का भव्य आयोजन
- कुलपति प्रो कर्नाटक को लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड से नवाजा।
- किसानों और विद्यार्थियों ने नवीन तकनीकों से ली सीख

उदयपुर,। राजस्थान विद्यापीठ के संघटक महाविद्यालय, स्कूल ऑफ एग्रीकल्चरल साइंसेज एवं भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (भा.कृ.अनु.प.) - भारतीय तिलहन अनुसंधान संस्थान, हैदराबाद के संयुक्त तत्वावधान में रविवार को कृषि विज्ञान मेले का भव्य आयोजन किया गया। मेले का शुभारंभ एम.पी.यू.टी. के कुलपति प्रो. अजीत कुमार कर्नाटक, दिल्ली विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष डॉ. योगानंद शास्त्री, कुलाधिपति भंवरलाल गुर्जर, भारतीय तिलहन अनुसंधान संस्थान, हैदराबाद के निदेशक डॉ. रवि माथुर तथा कुलपति कर्नल प्रो. एस.एस. सारंगदेवोत, पूर्व कुलपति प्रो राजेश सिंह, विशिष्ट अतिथि के प्रसार निदेशक एम पी यू टी आर एल सोनी, इनकम टैक्स कमिश्नर के.के. सिंह, एडवाइजर इंद्रजीत माथुर ने किया।

इस अवसर पर कुलपति प्रो अजीत कुमार कर्नाटक को कृषि की उन्नित के क्षेत्र में अतुलनीय योगदान के लिए प्रशस्ति पत्र का वाचन कर लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड से नवाजा गया।

मुख्य अतिथि प्रो. अजीत कुमार कर्नाटक ने कहा कि राजस्थान की कृषि समृद्ध परंपरा से जुड़ी हुई है। यहां के किसान कभी भी भूखमरी या आत्महत्या की स्थिति में नहीं आते क्योंकि राज्य में उन्नत कृषि पद्धितयों के साथ-साथ पशुपालन की भी अपार संभावनाएं हैं। उन्होंने किसानों को आधुनिक कृषि तकनीकों को अपनाने के लिए प्रेरित किया।

कुलपति प्रो. एस.एस. सारंगदेवोत ने किसानों की मेहनत और समर्पण को देश की उन्नित का आधार बताते हुए कहा कि वे राष्ट्र के विकास में अहम भूमिका निभाते हैं। उन्होंने किसानों की प्रगति के लिए किए जा रहे विभिन्न प्रयासों का उल्लेख करते हुए कहा कि सरकार द्वारा कृषक उन्नित योजना चलाई जा रही है, जिससे किसानों को अपनी फसल का उचित मूल्य मिल सके। उन्हें उन्नत तकनीकों के इस्तेमाल के लिए प्रोत्साहित किया जाता है तथा बीज, कीटनाशक, उर्वरक आदि की खरीद में सहायता प्रदान की जाती है। फसल खराब होने पर बीमा कवर दिया जाता है और उनके प्रशिक्षण व प्रदर्शन के लिए विशेष कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। कृषि विज्ञान केंद्रों के माध्यम से उन्हें नई तकनीकों की जानकारी दी जाती है, वहीं राष्ट्रीय कृषि विकास योजना (आरकेवीवाई) जैसे कार्यक्रम कृषि क्षेत्र को सशक्त बनाने में सहायक हैं। कृषि नीति निर्माण में किसानों व अन्य हितधारकों से संवाद स्थापित किया जाता है तथा जलवायु परिवर्तन के अनुरूप विभिन्न मिशनों के माध्यम से कृषि क्षेत्र को मजबूती दी जाती है।

कुलाधिपति भंवर गुर्जर ने कहा कि किसानों की मेहनत और नवाचार से ही देश में खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित हो पाती है और कृषि का निरंतर विकास संभव हो पाता है। उन्होंने कृषि भूमि के कम होने पर चिंता जताते हुए कहा कि शहरीकरण के बजाय गांवों में भी शहरों जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी तो वहां के युवा गांव में ही रहकर खेती को कॅरियर बनाने की ओर अठासर होंगे।

तकनीकी नवाचारों से अवगत हुए किसान - कॉलेज ऑफ एग्रीकल्चर साइंस के डीन प्रो. गजेन्द्र माथुर ने बताया कि मेले में 500 से अधिक किसान एवं विद्यार्थी शामिल हुए और नवीनतम कृषि तकनीकों से रूबरू हुए। मेले का मुख्य आकर्षण किसानों और वैज्ञानिकों के बीच संवाद, विश्वविद्यालय एवं कृषि आदान संस्थानों की तकनीकी प्रदर्शनी रही। इसके अतिरिक्त, कृषि महाविद्यालय की विभिन्न इकाइयों - फसल उद्यानिकी, नर्सरी, बीज इकाई, अनुसंधान खेत, कृषि संठाहालय एवं फल प्रसंस्करण इकाई का भ्रमण भी करवाया गया।

मेले का संचालन डॉ. सोनिया जायसवानी एवं सौरव राठौड़ ने किया, जबकि धन्यवाद ज्ञापन प्रो. नारायण सिंह सोलंकी ने दिया। इस अवसर पर डॉक्टर अरुण परिहार डॉ आनंद सिंह जोधा डॉ सुरभि आदि का भी प्रमुख योगदान रहा।

प्रतियोगिताओं का आयोजन एवं तिलहन फसलों पर विशेष जोर - मेले में किसानों के लिए फसल, फल एवं सब्जी प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। इसके अलावा, महिलाओं के लिए विशेष रूप से रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। उदयपुर जिले के किसानों को तिलहन फसलों के उत्पादन एवं उनके आर्थिक महत्व की जानकारी दी गई। तिलहन फसलें नकदी फसलों के रूप में किसानों की आय में वृद्धि कर सकती हैं। विशेष रूप से जनजातीय कृषक समुदाय को तिलहन उत्पादन अपनाने हेतु प्रेरित किया गया, जिससे उनकी सामाजिक एवं आर्थिक स्थिति सशक्त हो सके। तिलहन प्रसंस्करण और विपणन के माध्यम से ग्रामीण एवं जनजातीय क्षेत्रों में रोजगार के नए अवसर सृजित किए जा सकते हैं।